

MS. SAKSHI MALIK

Ms. Sakshi Malik is the first female wrestler from India to have won a Medal at the Olympics. A freestyle wrestler born in Rohtak, Haryana, Ms. Sakshi won the bronze medal in the 58 kg category at the 2016 edition of the Games in Rio de Janerio. Her medal was only one of two that India won at the Games of the XXXI Olympiad. She was conferred with the Khel Ratna, which is the highest sporting honour in India, in September, 2016.

2. Born on September 03, 1992, Ms Sakshi has completed her Masters in Physical Education from the Maharshi Dayanand University in Rohtak and was appointed as the University's Wrestling Director in September, 2016. She is also currently employed with the Indian Railways as a gazetted officer.

3. Ms. Sakshi started wrestling when she was 12, inspired by her paternal grandfather Badhlu Ram, who was a wrestler himself. She trains at the Chhotu Ram Akhada in Rohtak, where she had begun her sporting journey.

4. Ms. Sakshi's first international medal came in 2010 when she won Bronze in the 58 kg category of the Junior World Championships in Budapest, Hungary. Her next notable international achievement was a Silver Medal at the 2014 Commonwealth Games in Glasgow. She followed the success with another finish on the podium – a Bronze at the 2015 Asian Championships in Doha.

5. Since her medal at the Olympics, Ms. Sakshi has been conferred with many awards including Khel Ratna and the Bhim Award amongst several other state-government honours. Ms. Sakshi was also announced as the Face of the 'Beti Bachao,Beti Padhao' campaign to spearhead the development of the Girl Child in her state.



सुश्री साक्षी मलिक

सुश्री साक्षी मलिक ओलंपिक में देश को पदक दिलाने वाली भारत की पहली महिला पहलवान हैं। आप एक फ्री स्टाइल पहलवान हैं। आपका जन्म रोहतक में हुआ। आपने रियो डे जेनेरो में वर्ष 2016 में आयोजित ओलंपिक खेल में 58 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता था। XXXI (इक्कतीसवें) ओलिंपियाड में भारत को मिलने वाले मात्र दो पदकों में से आपका एक पदक था। आपको सितंबर 2016 में खेल के क्षेत्र में भारत के सबसे बड़े पुरस्कार, खेल रत्न से सम्मानित किया गया।

2. आपका जन्म 03 सितंबर, 1992 को हुआ। आपने शारिरिक शिक्षा में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की एवं सितंबर, 2016 में आप विश्वविद्यालय में पहलवानी के निदेशक के रूप में नियुक्त हुई। वर्तमान में आप भारतीय रेल में एक राजपत्रित अधिकारी हैं।

3. आपने, अपने दादा बढलू राम जो स्वयं एक पहलवान थे, से प्रेरित होकर 12 वर्ष की आयु से ही पहलवानी शुरू कर दी थी। आप रोहतक में छोटूराम अखाड़ा, जहां आपने अपने खेल जीवन की शुरूआत की थी, में प्रशिक्षण देती हैं।

4. आपको वर्ष 2010 में बूडापेस्ट, हंगरी में आयोजित जूनियर वर्ल्ड चैंपियंस में 58 किलो वर्ग में कांस्य पदक के रूप में प्रथम अंतरराष्ट्रीय पदक प्राप्त हुआ। आपको अगली अंतरराष्ट्रीय सफलता वर्ष 2014 में ग्लास्गो में आयोजित कॉमनवेल्थ खेल में सिल्वर पदक के रूप में मिली। पुन: दोहा में वर्ष 2015 में आयोजित एशियाई खेलों में कांस्य पदक के रूप में आपको पदक मंच पर अगली सफलता मिली।

5. ओलंपिक में पदक प्राप्त करने के बाद से आपको अन्य राज्य सरकारों से प्राप्त सम्मानों के साथ-साथ खेल रत्न एवं भीम पुरस्कार सहित कई पुरस्कार प्राप्त हुए। आपको अपने राज्य में बालिकाओं के विकास हेतु चलाए जा रहे "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान" के फेस के रूप में भी घोषित किया गया।